हमेशा बायोबबल में रहना संभव नहीं : डुप्लेसिस

कराची (ईएमएस)। कोरोना महामारी के खतरे को देखते हुए आजकल सभी टीमों का जैव सुरक्षित माहौल (बाये बबल) में रहना पड़ रहा है। इसमें संक्रमण से बचाव तो होता है पर कई अन्य प्रकार की परेशानियां भी आती हैं। समय-समय पर कई दिग्गज खिलाड़ियों ने इससे होने वाली परेशानियों का जिक्र किया है। अब दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस ने भी कहा है कि जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) में रहकर क्रिकेट खेलना खिलाड़ियों के लिये बड़ी चुनौती बन सकता है और लंबे समय तक इसी प्रकार नहीं खेला जा सकता। ऐसा करना संभव नहीं होगा। डुप्लेसिस ने कहा, ''हम समझते हैं कि यह बेहद कड़ा सत्र रहा और कई लोगों को इस चुनौती से जूझना पड़ा लेकिन अगर एक के बाद एक जैव सुरक्षित वातावरण में जिंदगी गुजारनी पड़ी तो यह बेहद चुनौतीपूर्ण होगा।'' दक्षिण अफ्रीका की टीम अभी दो टैस्ट मैचों और तीन टी२० अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के लिये पाकिस्तान में है। पहला टेस्ट मैच २६ जनवरी से कराची में जबकि दूसरा टेस्ट चार फरवरी से रावलपिंडी में खेला जाएगा। इसके बाद ११ से १४ फरवरी के बीच लाहौर में तीन टी२० अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे।

डुप्लेसिस ने कहा, '' अभी मुख्य प्राथमिकता क्रिकेट खेलना है। घर में बैठे रहने के बजाय बाहर निकलकर वह काम करना जो हमें पसंद है, इसलिए अब भी यह सबसे महत्वपूर्ण चीज है। लेकिन मुझे लगता है कि ऐसा समय आएगा जब खिलाड़ी बायो बबल से उब जाएंगे।'' इस स्टार बल्लेबाज ने कहा कि महामारी के कारण कई महीनों तक बनी अनिश्चितता के बाद जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट शुरू हुआ तो कई खिलाड़ी लगातार दौरे कर रहे हैं और जैव सुरक्षित वातावरण में अपनी जिंदगी बिता रहे हैं। उन्होंने कहा, ''अगर आप पिछले आठ महीनों के कैलेंडर पर गौर करो तो आप देखोगे कि खिलाड़ियों ने चार से पांच महीने बायो बबल में बिताये हैं जो कि बहुत अधिक है। कुछ खिलाड़ी महीनों तक अपने परिवार से नहीं मिले जो कि चुनौतीपूर्ण हो सकता है।'' कई अन्य खिलाड़ियों का भी मानना है कि हमेशा ही बायो बबल में नहीं रहा जा सकता।

टोक्यो ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करना आसान नहीं : डुप्लांटिस

टोक्यो (ईएमएस)। स्वीडन के पोल वॉल्टर अर्मांड मोंडो डुप्लांटिस ने कहा है कि वह बेसब्री से आगामी टोक्यो ओलंपिक का इंतजार कर रहे हैं हालांकि अर्मांड ने माना है कि कोरोना महामारी के बीच ही टोक्यो ओलंपिक में अपेक्षाओं के दबाव पर खरा उतरना आसान नहीं होगा। २१ वर्षीय अर्मांड को पिछले साल विश्व का सर्वश्रेष्ठ पुरूष एथलीट चुना गया था। उन्होंने साल २०१९ में दोहा विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतने के साथ ही पिछले साल फरवरी में पोलैंड में ६.१७ मीटर का विश्व रिकार्ड बनाया था। इसके बाद सितंबर में खेल की बहाली पर ६.१५ मीटर की छलांग लगाकर रोम डायमंड लीग में रजत पदक जीता था। सर्जेइ बुबका का रिकार्ड तोड़ने वाले इस पोल वॉल्टर ने कहा ,'' मैने पहले कभी ओलंपिक नहीं खेला है लेकिन मुझे पता है कि दुनिया भर के एथलीटों से मिलना कितना खास होता होगा। इस बार कोरोना महामारी के कारण हालात अलग होंगे पर हमें इसकी आदत डालनी होगी। उम्मीद है कि भले ही प्रतिबंधों के साथ हों पर ओलंपिक खेल अवश्य होने चाहिये।'' वहीं बुबका का आउटडोर रिकार्ड तोड़ने के अनुभव पर उन्होंने कहा ,'' सर्जेइ बुबका दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पोल वॉल्टर हैं । मैं उनसे बेहतर बनना चाहता हूं और उनसे अधिक उपलब्धियां अर्जित करना चाहता हूं, मैं बचपन से यह मानकर चला हूं कि मेरे भीतर विश्व रिकार्ड बनाने की क्षमता है । मुझे विश्वास है कि मैं ओलंपिक स्वर्ण जीत सकता हूं।''

इंग्लैंड को अभ्यास के लिए मिलेंगे केवल तीन दिन

लंदन (ईएमएस)। भारत में अगले माह शुरु हो रही घरेलू टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड की टीम को तीन दिन ही अभ्यास के लिए मिलेंगे। इंग्लैंड की टीम बुधवार को चेन्नई पहुंचेगी जहां चार मैचों की सीरीज के पहले दो मैच खेले जाएंगे। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार कोरोना प्रोटोकॉल के तहत चेन्नई पहुंचने पर टीम को छह दिन तक कड़े पृथकवास में रहना होगा। वहीं श्रीलंका दौरे पर नहीं जाने वाले बेन स्टोक्स, जोफ्रा आर्चर और रोरी बर्न्स रविवार की रात को ही भारत पहुंच गए और उन्हें होटल में पृथकवास पर रहने के बाद अभ्यास के लिए पांच दिन का समय मिलेगा। सभी खिलाड़ियों का कोविड-१९ के लिए छह दिन में तीन बार परीक्षण किया जाएगा। सीरीज के अंतिम दो टेस्ट मैच २४ फरवरी से अहमदाबाद में खेले जाएंगे। यह सीरीज जैव सुरक्षित वातावरण में खेली जानी है, जो कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के दृष्टिकोण से भी अहम है।

भारत में कोरोना महामारी के बीच होने वाली यह पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज है। ऐसे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के लिए यह बेहद अहम है। इसके सफल आयोजन से वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को स्वदेश में आयोजित का दावा कर सकता है। वहीं आईपीएल २०२० संयुक्त अरब अमीरात में खेला गया था। ऑस्ट्रेलिया में शानदार जीत से भारत अभी तालिका में शीर्ष पर है। भारत और इंग्लैंड सीरीज का कार्यक्रम इस प्रकार है:

४ मैचों की टेस्ट सीरीज इस प्रकार है

पहला टेस्ट- ५ फरवरी से ९ फरवरी- एमए चिदंबरम स्टेडियम, चेन्नई- भारतीय समायनुसार सुबह ९.३० बजे.

दूसरा टेस्ट- १३ फरवरी से १७ फरवरी- एमए चिदंबरम स्टेडियम, चेन्नई- भारतीय समायनुसार सुबह ९.३० बजे.

तीसरा टेस्ट- २४ फरवरी से २८ फरवरी- सरदार पटेल स्टेडियम, अहमदाबाद- भारतीय समयानुसार दोपहर २ बजे.

चौथा टेस्ट- ४ मार्च से ८ मार्च- सरदार पटेल स्टेडियम, अहमदाबाद- भारतीय समयानुसार सुबह ९.३० बजे.

५ मैचों की टी२० सीरीज

पहला टी२०- १२ मार्च- सरदार पटेल स्टेडियम, अहमदाबाद- भारतीय समयानुसार शाम ६.०० बजे.

दूसरा टी२०- १४ मार्च- सरदार पटेल स्टेडियम, अहमदाबाद- भारतीय समयानुसार शाम ६.०० बजे.

तीसरा टी२०- १६ मार्च- सरदार पटेल स्टेडियम, अहमदाबाद- भारतीय समयानुसार शाम ६.०० बजे.

चौथा टी२०- १८ मार्च- सरदार पटेल स्टेडियम, अहमदाबाद- भारतीय समयानुसार शाम ६.०० बजे.

पांचवां टी२०- २० मार्च- सरदार पटेल स्टेडियम, अहमदाबाद- भारतीय समयानुसार शाम ६.०० बजे.

तीन मैचों की वनडे सीरीज

पहला वनडे- २३ मार्च- महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम, पुणे- भारतीय समयानुसार दोपहर २.३० बजे.

दूसरा वनडे- २६ मार्च- महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम, पुणे- भारतीय समयानुसार दोपहर २.३० बजे.

तीसरा वनडे- २८ मार्च- महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम, पुणे- भारतीय समयानुसार सुबह ९.३० बजे।

मेलबर्न की अपनी शतकीय पारी को सबसे अहम मानते हैं रहाणे

मुम्बई (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय टीम को शानदार जीत दिलाने वाले टीम इंडिया के कार्यवाहक कप्तान अजिंक्य रहाणे मेलबर्न में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच की अपनी शतकीय पारी को सबसे खास मानते हैं। रहाणे के अनुसार इसी पारी में बेहतर प्रदर्शन से आगे की जीत का रास्ता बना था। दूसरे टेस्ट में ११२ रन बनाने के बाद रहाणे ने हालांकि कहा था कि लॉर्ड्स मैदान में १७ जुलाई २०१४ को खेली गई शतकीय पारी उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी है। इस बल्लेबाज ने कहा कि उन्हें मेलबर्न की अपनी पारी के महत्व के बारे में तब पता नहीं चला था, जिसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की २-१ श्रृंखला जीत का आधार बनाया रहाणे ने कहा मेरे लिए यह अहम है कि जब मैं रन बनाऊ तो टीम जीत हासिल करें। मुझे लगता है कि वह पारी मेरे लिए वास्तव में कुछ खास है। मेरे लिये टेस्ट मैच और श्रृंखला जीतना उपलब्धियों के बजाय प्राथमिकता है।

उन्होंने साथ ही कहा कि मेलबर्न टेस्ट शतक सबसे अहम था। मैंने मेलबर्न में कहा कि लॉर्ड्स का शतक मेरे लिए सबसे खास है लेकिन कई लोगों ने मुझे बताया कि मेलबर्न की शतकीय पारी लॉर्ड्स से बेहतर थी। मुझे नहीं पता था कि मैं इस पर कैसे प्रतिक्रिया दूं पर अब मुझे अहसास हुआ कि एडीलेड टेस्ट मैच के बाद के हालातों को देखते हुए, मेलबर्न टेस्ट श्रृंखला के लिए वास्तव में महत्वपूर्ण था और हां, मुझे लगा कि मेलबर्न की पारी वास्तव में विशेष थी। भारतीय टीम एडीलेड में ३६ रन पर ऑल आउट हो गई थी और इसके बाद टीम ने मेलबर्न से ही वापसी की थी।

ऑस्ट्रेलिया में पदार्पण की उम्मीद नहीं थी : नटराजन

चेन्नई (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया दौरे से अपनी पहचान बनाने वाले टीम इंडिया के युवा तेज गेंदबाज थांगरासू नटराजन ने कहा है कि उन्हें इस दौरे में पदार्पण की उम्मीद नहीं थी। साथ ही माना कि पहला मैच खेलते समय वह दबाव में थे। नटराजन ने दो दिसंबर को कैनबरा में तीसरे वनडे में भारत के लिए पदार्पण किया था। नटराजन ने कहा, 'मैं अपना काम करने के लिए प्रतिबद्ध था। मुझे वनडे में मौका मिलने की उम्मीद नहीं थी। जब मुझे बताया गया कि मैं इसमें खेलूंगा तो मैं दबाव में था। मैं मौके का फायदा उठाना चाहता था। खेलना और एक विकेट लेना सपने की तरह था।' बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अपना टेस्ट पदार्पण गाबा में चौथे और अंतिम मैच में किया जिसमें भारत ने जीत हासिल कर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला में ऐतिहासिक जीत दर्ज की। नटराजन ने इस मैच में तीन विकेट लिए।

उन्होंने कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करना सपना सच होना था। नटराजन ने कहा, 'भारत के लिए खेलने के बाद मैं अपनी खुशी को शब्दों में बयां नहीं कर सकता। यह सपने की तरह था। मुझे कोचों और खिलाड़ियों से भी काफी सहयोग मिला। उन्होंने मेरा समर्थन किया और मुझे काफी प्रोत्साहित किया। मैं उनके समर्थन की वजह से अच्छा करने में सफल रहा।' नटराजन ने यह भी कहा कि उन्हें विराट कोहली और अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में खेलना काफी अच्छा लगा क्योंकि उन्होंने काफी प्रोत्साहित और सहयोग किया।

ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक जीत का श्रेय मुझे ना दें : द्राविड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) प्रमुख राहुल द्रविड़ ने कहा है कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया में मिली जीत का श्रेय न दें। द्राविड़ ने कहा कि यह जीत युवा खिलाड़ियों की मेहनत से मिली है। पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता जतिन प्रजांप ने कहा कि द्राविड़ ने इंडिया ए के स्तर पर खिलाड़ियों में यह विश्वास जगाया है। उन्होंने कई खिलाड़ियों को उनके खेल को लेकर सलाह दी और उसकी वजह से ही वह सब कामयाब हो पाए हैं। द्राविड़ ने खिलाड़ियों का बेस मजबूत किया और उसके बाद वह भारतीय टीम में चयन किए गए जिसका फायदा अब खिलाड़ियों को और टीम इंडिया को मिल रहा है। भले ही राहुल द्राविड़ युवा खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन का श्रेय नहीं ले रहें हों। मगर टीम के युवा खिलाड़ी उन्हें अपने इस शानदार प्रदर्शन का श्रेय उन्हें ही दे रहें हैं। शुभमन गिल, पंत, मयंक अग्रवाल, सिराज और शार्दुल ठाकुर के खेल में सुधार का सबसे बड़ा हाथ द्राविड़ का ही रहा है। इससे पहले इस टेस्ट सीरीज के दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने अपना संघर्ष दिखाया और टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई। यह जीत और भी खास हो गई जब टीम के युवा खिलाड़ियों ने अहम मौकों पर अपना योगदान दिया।

रुट के शतक से इंग्लैंड ने श्रीलंका को दिया करारा जवाब

गाले (ईएमएस)। यहां श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड के कप्तान जो रुट १८६ रन पर आउट हो गये। मैच के तीसरे दिन रुट के पास दोहरा शतक बनाने का अवसर था पर वह इसमें सफल नहीं रहे। उनकी शानदार पारी से इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में नौ विकेट खोकर ३३९ रन बना लिए। इससे पहले श्रीलंका ने अपनी पहली पारी में ३८१ रन बनाये थे। श्रीलंका की ओर से स्पिनर लसित एम्बुलडेनिया ने ४१ ओवर में १३२ रन देकर ७ विकेट लिए। रूट ने ३०९ गेंदों पर १८६ रन की बेहतरीन पारी में १८ चौके लगाए। रुट ने पहले टेस्ट की पहली पारी में भी २२८ रन बनाये थे। तीसरे दिन इंग्लैंड ने दो विकेट पर ९८ रन से आगे खेलना शुरू किया। कप्तान जो रूट ने ६७ रन और जॉनी बेयरस्टो ने २४ रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। बेयरस्टो २८ रन बनाकर आउट हो गए। वहीं डेनियल लॉरेंस तीन रन बनाकर आउट हो गए। ये दोनों विकेट एम्बुलडेनिया ने लिए। रूट ने फिर जोस बटलर के साथ पांचवें विकेट की महत्वपूर्ण साझेदारी में ९७ रन बनाये। बटलर ने ९५ गेंदों पर ५५ रन में सात चौके लगाए। रूट ने डोमिनिक बेस के साथ सातवें विकेट की साझेदारी में ८१ रन जोड़े। बेस ने ९५ गेंदों पर ३२ रन में चार चौके लगाए। रुट दोहरे शतक के करीब पहुंच रहे थे कि दिन के आखिरी ओवर की दूसरी गेंद पर रन आउट हो गए और इसके साथ ही दिन का खेल समाप्त हो गया।

शुरुआत में बाउंसर से डरते थे शुभमन

नई दिल्ली (ईएमएस)। टीम इंडिया के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींचा है। वहीं शुभमन शुरुआत में बाउंसरों से घबराते थे। इसके बाद उन्होंने बहुत तैयारी की और अब वह आसानी से बाउंसरों का सामना कर लेते हैं। इस युवा बल्लेबाज ने कहा कि जब मैं छोटा था, तो मुझे बाउंसरों से डर लगता था। मैं पहले से ही सीने तक आने वाली गेंदों के लिए तैयार रहता था। मैं ड्राइव का बहुत अभ्यास करता था इसलिए मैं स्ट्रेट बैट से पुल शॉट खेलने में माहिरा हो गया। मैंने एक और शॉट भी विकसित किया, जहां मैं पीछे हटकर कट खेलता हूं। मुझे शॉर्ट डिलीवरी से डर लगता था इसलिए मैं हमेशा कट शॉट खेलने के लिए गेंद की लाइन से दूर होना चाहता था। ये दो-तीन शॉट हैं जो मुझे बचपन में पसंद थे और अब मेरी जिंदगी का एक हिस्सा बन गए हैं

साथ ही कहा कि जब आप गेंद को खेलते रहते हैं तो आपका डर खत्म हो जाता है। आप केवल तब तक डरते हैं जब तक आपको झटका नहीं मिलता लेकिन एक बार जब आप टिक जाते हो तो आपको ऐसा लगता है कि यह बहुत सामान्य था। फिर आप डर को पूरी तरह से खत्म कर देते हो। मैं ९ साल का था जब मुझे एक उच्च आयु वर्ग के मैच में खेलने के लिए कहा गया था। हमारी अकादमी में एक गेंदबाज था जो वास्तव में तेज था। मैं उसके खिलाफ बल्लेबाजी कर रहा था और डर रहा था कि मुझे शुरू करने के लिए बाउंसर मिलेगा। इसलिए मैंने पहले से तय कर लिया था कि मैं इसे डक कर दूंगा। मुझे एहसास हुआ कि वह इतना तेज नहीं था। जल्द ही मैंने २-३ चौके मारे। इससे मुझे अपने आत्मविश्वास का स्तर बढ़ाने में मदद मिली। इस घटना ने लेदर गेंद की बाउंसरों के लिए मेरे दिल से सभी तरह के डर को खत्म कर दिया।

विराट ने पुजारा को जन्मदिन पर बधाई दी

नई दिल्ली (ईएमएस)। टीम इंडिया के टेस्ट विशेषज्ञ माने जाने वाले अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा आज ३३ साल के हो गये हैं। पुजारा को उनके जन्मदिन पर टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने खास अंदाज में बधाई दी है। विराट ने पुजारा को खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, 'हैप्पी बर्थडे पुजी। आपकी सेहत अच्छी रहे, खुशियां मिलें और आप क्रीज पर और भी अधिक घंटे बिताएं। आपका साल शानदार रहे।' गौरतलब है कि पुजारा ने भारत की ओर से अभी तक ८१ टेस्ट और पांच एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। पुजारा ने अब तक ८१ टेस्ट मैचों में ४७.७४ की औसत से ६१११ रन बनाए हैं, जिसमें १८ शतक, तीन दोहरे शतक और २८ अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने हाल में हुए ऑस्ट्रेलिया दौरे में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। पुजार ने इस सीरीज में धीमी बल्लेबाजी जरुर की पर एक छोर संभाले रखा जिससे भारतीय टीम बड़े स्कोर बनाने में सफल रही। विराट के अलावा कई और खिलाड़ियों ने भी पुजारा को बधाई दी है।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कुलदीप को मिल सकता है अवसर

चेन्नई (ईएमएस)। चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव की अगले माह इंग्लैंड के साथ होने वाली चार मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलने का अवसर मिल सकता है। कुलदीप को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर एक भी टेस्ट मैच खेलने का मौका नहीं मिला था। कुलदीप ने अपना आखिरी टेस्ट मैच पिछले ऑस्ट्रेलियाई दौर पर साल २०१८-१९ में खेला था। यह संकेत बीसीसीआई के एक वीडियो से मिल रहे हैं। जिसमें कार्यवाहक कप्तान आजिंक्य रहाणे कह रहे हैं, आपके लिए यह काफी कठिन रहा। आप यहां एक भी मैच नहीं खेले पर आपका व्यवहार काफी अच्छा था। ऐसे में आपका भी समय आएगा. इसलिए कड़ी मेहनत करते रहिए। वहीं गेंदबाजी कोच भरत अरुण ने भी कहा है कि कुलदीप को घरेलू टेस्ट सीरीज में अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि कुलदीप को ऑस्ट्रेलिया में इसलिए अवसर नहीं मिला क्योंकि टीम प्रबंधन ने मैदान के हिसाब से खिलाड़ी चुनने की रणनीति अपनाई थी। अरुण ने कहा, अगर वह नहीं खेले तो ठीक है, वह कड़ी मेहनत कर रहे हैं। वह शानदार रहे हैं। हमने पिच के हिसाब से खिलाड़ी चुनने की रणनीति अपनाई थी। ध्यान रखिए, कुलदीप को जब खेलने का मौका मिलेगा तो वह बता देंगे कि वह क्या कर सकते हैं क्योंकि वह नेट्स में शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे। भारत में जब हम चार टेस्ट मैच खेलेंगे तब उनका समय होगा। अरुण ने कहा, कुलदीप को जब भी अवसर मिला है उन्होंने अपने को साबित किया है।

ऑस्ट्रेलिया दौरा बेहतरीन रहा, विकेट लेने पर रहता है मेरा जोर : अश्विन

नई दिल्ली (ईएमएस)। टीम इंडिया के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली गई बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी बेहद शानदार रही है। अश्विन ने इस दौरे को बेहतरीन बताते हुए कहा, 'मैंने शुरू में अभ्यास के दौरान अपने को कुछ गेंदों तक सीमित किया था, लेकिन इसने काम नहीं किया। रविंद्र जडेजा की मांसपेशियों में चोट लग गई थी, इसलिए मुझे पहला टेस्ट खेलने का मौका मिला। मैं पिछले दो साल से अच्छी गेंदबाजी कर रहा हूं।'

अश्विन ने कहा , '२०१६ के वेस्टइंडीज दौरे से मेरी बल्लेबाजी की आलोचना हो रही है। तब मैं तीनों फॉर्मेट में खेल रहा था. कभी-कभी सिर्फ टेस्ट क्रिकेट खेलना भी अच्छा नहीं होता। मैं भारतीय टीम में एक स्पिनर के रूप में जगह बनाने के लिए लगातार संघर्ष कर रहा हूं। यदि मुझे मेरी बल्लेबाजी के आधार पर देखा जाएगा तो केवल एक या दो पारियों के बाद मुझे हटा दिया जाएगा। इसलिए मैं पिछले एक दो साल से गेंदबाजी पर जोर दे रहा हूं ओर विकेट ले रहा हूं, ताकि खुद को बेस्ट स्पिनर कह सकूं।''

वहीं ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ से अपने मुकाबले के बारे में अश्विन ने कहा, ''इस बात को लेकर बहुत शोर मचा कि मैं कैसी गेंदबाजी कर रहा हूं। पिछले दौरे पर एडिलेड में मैंने ६ विकेट लिए थे। इसके बाद नाथन लायन और मेरे बीच तुलना होने लगी। मुझे लगता है कि मुझे हर समय माइक्रोस्कोप के नीचे से गुजरना पड़ता है। स्मिथ का रिकॉर्ड है कि वह ऑस्ट्रेलिया में कभी स्पिनरों को विकेट नहीं देते।मैं इस धारणा को गलत साबित करना चाहता था। लोग इस पर चर्चा कर रहे थे कि स्मिथ को कौन आउट करेगा, लेकिन कोई भी मेरा नाम नहीं ले रहा था। तब मैंने यह सुनिश्चित किया कि लोग मेरा नाम लें।

विराट के समर्थन में उतरे गेंदबाजी कोच भरत अरुण , आलोचकों को दिया करारा जवाब

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया दौर में अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में टीम इंडिया को मिली भारी सफलता के बाद रहाणे को ही कप्तान बनाये जाने की मांग उठने लगी है। इस सीरीज में टीम इंडिया ने पहले मैच में मिली हार के बाद शानदार वापसी की और नियमित कप्तान विराट की गैरमौजूदगी में २-१ से सीरीज अपने नाम की। अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण विराट सीरीज के पहले टेस्ट मैच के बाद भारत लौट गए थे जबकि इस मैच में भारतीय टीम को करारी हार मिली थी। इसके बाद रहाणे की कप्तानी में टीम ने शानदार वापसी कर जीत दर्ज की हालांकि रहाणे की कप्तानी में मिली जीत के बाद विराट से कप्तानी लेकर रहाणे को दिए जाने की भी सोशल मीडिया पर मांग उठने लगी है। विराट की आलोचना पर गेंदबाजी कोच अरुण भगत ने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। अरुण ने कहा कि आज टीम जो उपलब्धियां हासिल कर रही है और जो भी बदलाव उसमें आये हैं उसके पीछ विराट ही हैं। उन्होंने कहा कि कोहली और कोच रवि शास्त्री ने इस टीम को निडर और आक्रामक टीम में बदलने के लिए काफी प्रयास किये जा अब नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग आज विराट के खिलाफ लिख रहे हैं, उनसे मैं एक चीज कहना चाहूंगा कि कोहली की कप्तानी में भारत ने २० में से १४ सीरीज में जीत हासिल की जिसका मतलब उनकी जीत का रिकॉर्ड ७० प्रतिशत से ऊपर है। उनके नेतृत्व में फिटनेस कल्चर, तेज गेंदबाजी और फील्डिंग सभी का स्तर ऊपर उठा है। उन्होंने कहा कि यदि आप सभी फॉर्मेट के कप्तान को देखते हैं तो विराट का रिकॉर्ड सबसे बेहतर में से एक होगा।

भारतीय खिलाड़ियों से ही मिलती है प्रेरणा : सुंदर

मुंबई (ईएमएस)। युवा क्रिकेटर वाशिंगटन सुंदर ने कहा है कि उन्हें किसी विदेशी क्रिकेटर से नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेटरों से ही प्रेरणा मिलती है। सुंदर के अनुसार भारतीय ड्रेसिंग रूम में कई ऐसे आदर्श खिलाड़ी हैं जिनसे युवा खिलाड़ी प्रेरित हो सकते हैं, इसलिए हमें प्रेरणा लेन के लिए विदेशी खिलाड़ियों की जरुरत नहीं है। वाशिंगटन ने कहा कि एक युवा होने के नाते जब मैं किसी से प्रेरणा लेना चाहता हूं तो मुझे अपने ड्रेसिंग रूम में ही इतने अधिक आदर्श खिलाड़ी मिल जाते हैं। विराट कोहली, रोहित शर्मा, अजिंक्य रहाणे, आर अश्विन जैसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी वहां हैं। ये खिलाड़ी हमेशा आपकी सहायता के लिये तैयार रहते हैं। सुंदर को सीमित ओवरों की श्रृंखला समाप्त होने के बाद नेट गेंदबाज के रूप में ऑस्ट्रेलिया में रहने के लिये कहा गया। इससे उन्हें लाल गेंद से नेट पर काफी गेंदबाजी करने को मिली। भारत की तरफ से एक टेस्ट के अलावा २६ टी२० और एक वनडे खेलने वाले इस युवा खिलाड़ी ने कहा कि इससे निश्चित तौर पर मुझे मदद मिली क्योंकि मुझे टेस्ट मैचों के लिये टीम में बने रहने के लिये कहा गया था। यह हमारे गेंदबाजी कोच भरत अरुण सर सहित सभी कोचों की रणनीति थी जिससे मदद मिली। उन्होंने कहा कि ब्रिस्बेन में पहले दिन पिच से मदद नहीं मिल रही थी लेकिन पहले टेस्ट विकेट के तौर पर अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ का विकेट लेना सपना सच होने जैसा था।

रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज में शामिल होंगे सचिन , ब्रेट ली और लारा

रायपुर (ईएमएस)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, जॉन्टी रोड्स, ब्रेट ली, ब्रायन लारा, मुथैया मुरलीधरन छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में २ से २१ मार्च २०२१ तक होने वाली रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लेंगे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज क्रिकेट टूर्नामेंट के आयोजन के लिए अपनी सहमति दी है। इस टूर्नामेंट के आयुक्त पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने मुख्यमंत्री से रोड सेफ्टी सीरीज क्रिकेट टूर्नामेंट के रायपुर में आयोजन के सिलसिले में अनुरोध किया था, जिसे मुख्यमंत्री ने सहर्ष अपनी अनुमति दे दी है। इस टूर्नामेंट में इंडिया, साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज सहित श्रीलंका की टीम भाग लेंगी और इसमें दिग्गज पूर्व खिलाड़ी सचिन , जॉन्टी रोड्स, ब्रेट ली, लारा और मुरलीधरन भाग लेंगे। इस टूर्नामेंट का मुख्य उद्देश्य भारत में सड़क सुरक्षा के महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। यह आयोजन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा अनुमोदित है। इसे गावस्कर की कंपनी प्रोफेशनल मैनेजमेंट ग्रुप आयोजित और प्रचारित कर रही है। इसी के साथ यह टूर्नामेंट सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा समर्थित भी है।